एलन

सन सन्तानवे मे जर्मनी मे जो ठंढ पड़ी थी. उसे देख कर अक्सर मुझे याकूटियन की ठंढ याद आती थी। हर दिन समाचारों मे सड़कों और हाईवेस पर हुई दुर्घटनाओं का ही समाचार सुनने को मिलता था। दिसम्बर शुरू भी न हुआ था कि कि बर्फबारी ऐसी शुरू हो गई थी जैसे आसमान को रूई की तरह कोई धूनिया निरन्तर धूने चला जा रहा हो। रूई के फाहों की तरह अहर्निश बर्फ गिरा करती थीं। आधी रात से ही बर्फ हटाने वाली मशीनें अपने कामों मे लग जाती थीं। खिड़कियों के पल्ले तक जम चुके थे। माईनस दस से लेकर माईनस अट्ठारह के बीच तापमान झूलता रहता था। जर्मनों का जीवन इस घोर ठंढ के बावजूद मुझे अप्रभावित दिखता था. पर मै काम के अलावे घर से बाहर कम ही निकलता था। अपने को काफी ढँकने तोपने के बाद भी कुछ ही मिनटों मे चमड़ियॉ फटने को आती थीं। एक घर के बगैर जर्मनी मे इस तरह के मौसम को झेलना मुझे असम्भव सा ही दिखता था। ईश्वर की दया से बर्लिन मे मेरे पास एक चार कमरों का अपार्टमेन्ट था. जो मेरे काम से यही कोई आधे मील की दूरी पर था।

एक दिन रात के दो बजे अचानक किसी ने मेरे अपार्टमेन्ट के बेल पर से तब तक अपना अॅगूठा नही हटाया. जब तक कि मै नींद से उठ कर दरवाजे तक जा कर हलो नही कहा। एक विक्षिप्त सा हलो मुझे भी सुनाई तो पड़ा. पर वो उतना स्पष्ट नही था। दरवाजा खोल कर मैने सीढियों की बत्तियॉ जला दीं। वाकई कोई आहिस्ते आहिस्ते सीढियॉ चढ रहा था। मै पहली मंजिल पर रहता था। मेरे अपार्टमेन्ट तक सीढियों पर कुल दो ही मोड़ थे फिर भी आगन्तुक अभीं तक नज़र नही आ रहा था। सीढियों की बत्तियॉ जा वूझीं। उन्हे मै फिर से जला दिया। आखिरी मोड़ के बाद अकस्मात एलन मेरे सामने खड़ी थी। उसे देख कर मै आवाक रह गया। समवेत एक चिलचित्र की नाई न सिर्फ स्टाईना गॉव. बल्कि एक साथ बर्लिन मे मेरी एलन से हुई एक एक मुलाक़ात तिर गई। ये मेरी समझ के बाहर की बात थी कि आखिर एलन को मेरी जरूरत कहॉ आ पड़ी है!वो किस अधिकार से मेरे पास आने की हिम्मत कर पाई है !अगर इसी क्षण मुझे स्टाईना याद न आया होता. तो मै इस बदमिजाज और नकचढी लड़की को अपने अपार्टमेन्ट मे आने को कभीं न कहता। मैने हल्की सी नज़र ही उस पर डाली। स्टाईना मे मै इस एलन से व्यक्तिगत नही मिला था .पर मै इसके कमरे मे पॉच दिन एक मेहमान की तरह रहा था। उन दिनो ये स्पेन मे अपनी छुट्टियॉ बिता रही थी। इसके तमाम फोटोस अलग अलग मुद्राओं मे इसके कमरे की दीवारों पर मढे टॅगे हुए थे। हर दिन शाम के खाने पर एलन के माता पिता. उसकी दादी और भाई भाभी सिर्फ उसी का गुण गाया करते थे। ये लड़की भले ही एक चंचल स्वभाव की लड़की थी. पर दिल की बड़ी अच्छी थी। ये अक्सर उसके घर वाले कहा करते थे। इन पिछले तीन वर्षो मे शायद एलन को कई शारीरिक और मानसिक आघात सहने को मिले होंगे। ये मुझे उसकी थकी ऑखें कह रही थीं। उसका हॉथ थामे मै उसे अपने ड्राईन्गरूम मे ले आया और सम्हाल कर उसे एक सोफे पर विठा कर एक कम्वल उसके पैरों पर डाल दिया। उसके ओंठ बिल्कुल सफेद हो चले थे। ठंढ से उसके दॉत तक बज रहे थे। विना उससे पूछे मै उसके लिए एक कप गर्म चाय बना लाया। एलन सोफे पर अपना मुॅह परे किये रोये चली जा रही थी। विना उससे कुछ पूछे मैने उसके हॉथों मे चाय का कप पकड़ा दिया और चुपचाप सामने वाले सोफे पर जा कर बैठ गया। मुझे उस पर रह रह कर गुस्सा ही आ रहा था। जिस खतरनाक खेल को खेलने वो फ्रॉकफूर्ट छोड़ कर बर्लिन आई थी. उसका अन्जाम मुझे पता था। चूॅकि यहॉ एक प्यार जैसा शब्द समाहित है. इसलिये एलन और प्रोफेसर शौल के सम्बन्ध मे मै न तो पहले कभीं आक्रामक हुआ और न अब होना चाहता था। उबड़ खाबड़ पथरीले रास्तों पर प्यार को सफर करते और घायल होते मै इससे पहले भी कई बार देख चुका था।

एलन ने चाय नही पी। कन्धे तक कम्वल खींच लिये और सोफे पर उठंग सी गई। वो अब रो तो नही रही थी. पर ठंढ से अभी भी कॉपे जा रही थी। उठ कर मैने हीटर को जरा तेज कर दिया और सोने वाले कमरे से अपनी रजाई लाकर उस पर डाल दी। आखिर ये लड़की मेरे पास इतनी गई रात मे क्यों आई है. यही मै बैठा सोचे जा रहा था।

उसके बर्लिन मे आने की खबर मुझे उसकी भाभी उलरिके से मिल चुकी थी। उसके पास मेरा पता और टेलीफोन नम्बर सब कुछ था। मै बड़ी उद्विग्नता के साथ उसका इन्तजार कर रहा था। अनायास एक आशा भी उससे जा जूटी थी। बर्लिन मे उसे आये एक सप्ताह हो चला था। स्टाईना से हर दिन ही फोन आया करता था कि एलन मुझसे मिली या नही!मै भी उन्हे क्या बताता!मिलना तो दूर उसका एक फोन तक न आया था। स्टाईना भी उसने फोन नही किया था। परन्तु ये उनके लिए कोई नई बात नही थी। ऐसा पहले भी कई बार हो चुका था।

मुझे अक्सर ऐसा लगता था कि एलन जीवन को बड़ी लापरवाही से लेती है. वरना वो फ्रॉकफूर्ट जैसे शहर मे एक अच्छी खासी नौकरी को छोड़ कर फिर से फार्मेसी की पढाई शुरू न करती। हयोक्स्ट जैसे मेगा फर्म मे नौकरी पाना कोई खेल नही था। फ्रॉकफूर्ट मे रहने की वजह से उसे स्टाईना से हर तरह की सुविधा और सुरक्षा मिली हुई थी। घर वालों ने उसे एक निजी अपार्टमेन्ट तक खरीद रखा था। खैर!ये एक संयोग ही था कि जिस अस्पताल के फार्मास्यिायटिकल डिपार्टमेन्ट मे मै नौकरी करता था. वहीं वो अपना प्रैक्टिकल करने आ रही थी। जब वो पहली बार काम पर आई. तो मैने दूर से ही उसे पहचान लिया था। उसे गाढे लाल कपड़े बड़े पसन्द थे। एक काले बेल्ट के अलावे उसके सारे कपड़े लाल रंग के ही थे। हमारा चीफ व्यक्तिगत उसका परिचय सबसे करवाये जा रहा था। वो उसे लिये मेरे पास भी आया था। मेरा नाम सुन कर वो चौंकी तो जरूर .पर बड़ी सफाई से समान्य बनी रही। उसने मुझमे कोई रूचि नही दिखाई। इस तरह औंधे मुॅह मै अपने जीवन मे शायद ही कभीं गिरा था। जिस फ्योस्टर परिवार ने मुझे इतना मान सम्मान दिया था. उसी परिवार की लड़की होकर ये एलन मुझे जान कर भी नही जानना चाहती थी। बेशरम बन कर उसे अपना कार्ड देते हुए जब मैने ये कहा कि यहीं पास मे ही रहता हूॅ। गाहे बगाहे रात बिरात जब भी तुम्हे मेरी जरूरत पड़े. मुझे बताना।

ःमुझे तुम्हारी जरूरत कभीं नही पड़ेगी. सुनकर मुझे ऐसा लगा. जैसे ठेस लगने के बाद मेरा सर किसी पत्थर से जा टकराया हो। लज्जित और अपमानित अपने काम पर लग गया।

इसी एलन को न जाने उसकी अपनी किस जरूरत ने मेरी याद दिला दी थी!

काम पर वो मेरी तरफ भूल से भी नही देखती थी जिसकी वजह मेरे समझ के बाहर की थी। स्टाईना से भी वो अपने सारे सम्पर्क तोड़े बैठी थी। वहॉ के सारे फोन उसके मेल वॉक्स मे जाते थे। सान्तवना देने के लिए मै ही उनसे कह दिया करता था कि एलन बिल्कुल ठीक ठाक है। घर के लोग उसके बारे मे कोई फिक्र न करें और फिर मै भी तो बर्लिन मे ही हूॅ।

न जाने किस वजह से एलन अपने घर पर फोन ही नही करती थी और खुद भी फोन पर नही जाती थी। सप्ताह में स्टाईना से नही भी तो तीन चार बार मेरे पास ही फोन आते थे। एलन अच्छी तरह से है. इसके अलावे मै उन्हे आखिर और क्या बताता!

एक बार तो मै फोन पर झुँझला ही गयाःक्या बताऊँ मै एलन के बारे मे!वो मुझसे कोई सम्पर्क ही नही रखना चाहती है।कुछ पूछता हूँ तो सीधे मुँह जवाब भी नही देती है।यहाँ तक कि नमस्ते तक का भी नही।
ये सुन कर उसकी भाभी आवाक रह गई।
सुबह के चार बजने वाले थे।सात बजे मुझे काम पर जाना था।एलन सिकुड़ी सिमटी सोफे पर सो चुकी थी।ड्राईन्गरूम की वत्ती धीमी करके मैने आहिस्ता से दरवाजा भेंड़ दिया और अपने सोने वाले कमरे मे आ गया।नहाने धोने के लिए मेरे पास काफी वक्त था।खिड़की का पर्दा सरका कर देखा।दूर दूर तक वर्लिन वर्फ से आच्छादित था।जिधर देखो उधर उजाला ही उजाला नज़र आता था।खिड़की के वाहर का थर्मामीटर माईनस वाईस तापमान दिखा रहा था।तभी ड्राईन्गरूम मे हल्की सी आहट हुई।जा कर देखा.एलन ने जूते सहित अपने पैर सोफा के ऊपर कर लिए थे।कम्वल और रजाई चेहरे तक खींच कर आराम से सोये जा रही थी।काम पर जाने से पहले उसके नाम एक छोटा सा स्लिप लिखाःएलन!मै काम पर जा रहा हूँ।वहाँ का नम्वर तो तुम्हे मालूम ही है।कोई वात होगी.तो फोन कर देना।मै अपने ओवरटाईम के कुछ घन्टे लेकर जल्द से जल्द घर आने की कोशिश करूँगा।इस बीच अगर तुम जग जाओ और तुम्हे किसी वात की जरूरत हो.तो इस घर को अपना ही घर समझना।
मै काम पर चला आया.पर वहाँ मेरा मन रत्ती भर भी नही लगा।जो लड़की मेरे सोफे पर आराम से सोये जा रही थी.उसकी वजह से मुझे काम पर एक बार चेतावनी भी मिल चुकी थी।एक दिन सुवह एलन डिपार्टमेन्ट के गेट पर ही टकरा गई।विना किसी भूमिका के मै यूँ ही वक गयाःकभीं कभार गलती से ही स्टाईना फोन कर दिया करो।वो तुम्हारे वारे मे वड़ी फिक्र करते हैं।मुझे अजीव तरह से घूर कर वो दरवाजे का कोड मिलाने लगी.जैसे वो मुझे सुनी ही न हो।जब वो अन्दर जाने को हुई.तो सख्ती से मैने उसकी वाँह थाम ली।
ःमेरी वाँह छोड़ दो.वरना मै चीफ से तुम्हारी शिकायत कर दूँगी।
ःतुम्हे जिससे भी मेरी शिकायत करनी हो.कर देना।पहले तुम मुझसे इस वात का वायदा करो कि तुम स्टाईना नियमित रूप से फोन किया करोगी।
ःतुम मेरे वीच आने वाले कौन होते हो!
ःये तुम स्टाईना फोन करके अपने माँ वाप से पूछ लो।
इसके पहले कि वो अपनी वाँह छुड़वाती.डिपार्टमेन्ट के तीन चार लोग वहाँ आ चुके थे।मुझे उसकी वाँह छोड़नी पड़ी।तमतमाती वो चीफ के कमरे की तरफ वढी।कुछ ही मिनटों मे मेरा वुलावा आ गया।मैने चीफ को सारी वातें साफ साफ वता दीं फिर भी मुझसे एलन के सामने माफी माँगने को कहा गया।इसके लिए मै तैयार नही था.लिहाजा एक लिखित चेतावनी मुझे दे दी गई।इस वात को मैने इतना व्यक्तिगत लिया कि एलन से ही नही वल्कि स्टाईना से भी मैने अपने सारे सम्वन्ध तोड़ डाले।वहाँ का कोड देखने के वाद मै फोन पर जाता ही नही था।इस तरह के पारिवारिक मामलों मे मुझे पड़ना ही नही था।डिपार्टमेन्ट मे मेरे वारे मे जो अटकलवाजियाँ लगाई जा रही थीं.उसकी मै कल्पना कर सकता था।
एलन की खूवसूरती सवके मुँह से सुनी जा सकती थी।वगैर सिहरे उसकी वगल से कोई गुजरता ही नही था।काम पर मेरे सिवाय वो सभी से मिजवत थी।कॉफी वगैरह के लिए उससे जो भी पूछता था.साथ कैन्टिन चल पड़ती थी.पर लंच व्रेक मे वो न जाने कहाँ गायव हो जाती थी।उससे मैने अपने सम्वन्ध तो तोड़ लिये थे.पर उसकी निगहवानी अभीं भी करता था।
कुछ सप्ताह ही गुजरे थे कि कैम्पस मे एलन का नाम हमारे ही अस्पताल के एक प्रोफेसर से जोड़ा जाने लगा।उनका पूरा नाम प्रोःमार्टिन शौल था और वो नामी गरामी यूरोलोजिस्ट थे।मै उन्हे नही जानता था।वाद मे मुझे पता चला कि वो फ्रॉकफूर्ट से वर्लिन दो वर्ष के रूफ पर आये हुए हैं और परिशर मे ही वने दो मंजिले मकान मे रहते हैं।समय के साथ मुझे ये भी पता चला कि वो विवाहित और दो व्यस्क वच्चों के वाप हैं।उनकी उम्र उन्हे जानने पहचानने वालों ने पचपन अन्ठावन के आसपास आँक रखी थी।एलन सत्ताईस वर्ष की थी।
जव उलरिके ने मुझे ये वताया कि एलन वर्लिन जाने की सोच रही है.तो मुझे चौंकना पड़ाःवर्लिन क्यों!फार्मेसी की प्रैक्टिकल तो वो फ्रॉकफूर्ट मे भी कर सकती है।
उलरिके हँसने लग पड़ीःगलती हमारी ही है।हमी ने तुम्हारी कुछ ज्यादे तारीफ कर दी थी।कहाँ तक वढ पाये हो!
ये सोच कर मै मन ही मन हँसने लगाःकहाँ एक नामी गरामी प्रोफेसर और कहाँ एक अदना सा कर्मचारी।उलरिके भी खूव मजाक कर लेती है।
मुझे एलन और प्रो शौल के सम्वन्ध मे इनके वीच उम्रों का अन्तर उतना परेशान नही करता था.जितना प्रोः शौल का विवाहित और दो वच्चों का वाप होना।इस खतरनाक रास्ते पर कदम रखने से पहले इन दोनों को अच्छी तरह सोच लेना चाहिये था।मुझे वार वार ये लगता था कि इस कहानी का अन्त सुखद नही होगा और एलन का इस खेल मे वहुत कुछ जाया होगा।वो अपना वहुत कुछ खोएगी।
ये एक संयोग ही था कि जिस रेस्त्रॉ मे प्रो शौल एलन का अट्ठाईसवॉ जन्मदिन वड़ी धूमधाम से मनाने आये थे. मै भी वहाँ था।एलन अपनी प्रैक्टिकल खत्म होने के वाद वजाय फ्रॉकफूर्ट वापस लौटने के वर्लिन मे ही रह रही थी।एलन के जन्मदिन के लिए प्रो शौल इस रेस्त्रॉ का सवसे आरामदेह कोना रिजर्व करवा रखे थे।रेस्त्रॉ का एक वेयरा अलग से इनकी तिमारदारी मे लगा हुआ था।एक सजे सजाये मेज पर रखे गुलदस्ते मे न जाने कितने ताजे लाल गुलाव अपना सीना ताने खड़े थे।सारा मेज लाल गुलाव की पंखुड़ियों से सजा हुआ था।एलन एक लाल रंग का लम्वा सा फ्रॉक पहने प्रो शौल की आँखों मे खोई अपने तमाम सपनों के ताने वाने वूने जा रही थी।एक लाल रंग का ही उसने एक लम्वा सा दुपट्टा अपने गले मे लपेट रखा था।अपने वालों को भी वो लाल करवा रखी थी।एक लाल रंग का ही फीता वो अपने ललाट पर वाँध रखी थी।अपने गले मे डाले हार को वो रह रह कर सहला दिया करती थी।प्रो शौल भी एक गाढे नीले रंग के सूट पर एक लाल रंग की टाई वाँधे हुए थे।थोड़ी ही देर मे एक सजा सजाया दोमंजिला केक आया.जिस पर छोटी छोटी अट्ठाईस मोमवत्तियाँ गड़ी थीं।एलन को उन्हे वूझाने के लिए एक दो फूँक ज्यादे ही लेने पड़े।रेस्त्रॉ का आर्जेन्टिनियन मालिक अपने कर्मचरियों के संग हैपी वर्थ डे टू यू गाने मे प्रो शौल का साथ दिया।मेहमानो के नाम पर भी यही थे या फिर इस रेस्त्रॉ मे आये दूसरे मेहमान।सभी के टेवलों पर केक के टुकड़े भेजे गये।मेरे टेवल पर भी एक टुकड़ा भेजा गया जिसे देखते ही मै भिन्ना पड़ाःरईसी दिखाने चले हैं ये लोग।चोरों की तरह जन्मदिन मनाते इन्हे शर्म भी नही आती।खाना वाना छोड़ कर मै रेस्त्रॉ से वाहर निकल आया।
वारह वजे मैने अपने ओवर टाईम के कुछ घन्टे लिये और घर की तरफ चल पड़ा।अव तक तो शायद एलन जग ही गई होगी।
अचानक मेरी नज़र पार्किन्ग लाऊन्ज पर पड़ी।वहाँ वड़े वेतरतीव ढंग से एक फोर्ड किया पार्क की गई थी।जव पास गया तो देखा कि उसकी पिछली सीट हैन्गरों के साथ कपड़ों से गँजी पड़ी है।वगल वाली सीट पर एक हैन्गवैग पड़ा था।गाड़ी के सारे दरवाजे खुले पड़े थे और गाड़ी की

चावी तक नही निकाली गई थी।गाड़ी का नम्वर फ्रॉकफूर्ट का था।गाड़ी के दरवाजे लॉक करके उसकी चावी लिये मै घर आ गया।एलन अभीं भी सो रही थी.पर मेरे लिए आश्वस्त होते हुए भी ये जानना बेहद जरूरी था कि ये गाड़ी वाकई उसी की है।अन्यथा मैने एक मुसीवत ही मोल ली थी।एकाध बार हल्के से उसका नाम लेकर उसे जगाना चाहा.पर वो जगी नही।फिर मुझे उसे झकझोरना पड गयाा।एलन जग कर बैठ गई और ऑखें फाड़े कभी मुझे तो कभीं ड्राईन्गरूम की दीवारें और छत देखती रही।
ःतुम्हे ये पूछने को जगाया था कि हमारे पार्किन्ग लाऊन्ज मे खड़ी फोर्ड किया तुम्हारी है!एफ तेरह अट्ठारह!
ःहॉ।
ःफिर ठीक है।अगर तुम्हे और सोना है तो सो लो।मै जा कर उसे ढंग से पार्क कर देता हूॅ।हैन्डवैग के अलावे तुम्हे कुछ और तो नही चाहिये!
ःडिक्की मे एक सूटकेस है।उसमे मेरे जरूरत के कपड़े हैं।अगर उसे भी ला पाते!
ःहॉ हॉ क्यों नहीं!उसे भी लेता आऊॅगा।
अभीं भी वर्फवारी हो रही थी।आसपास एक अजीव सी शान्ति फैली हुई थी।सड़कों पर गाड़ियॉ भी कम ही दिखाई देती थीं।लोग भी इक्के दूक्के ही नज़र आते थे।हवाओं के चलने से रह रह कर भॅवर से वनते थे।होफ मे लगे क्रुस्तानियन के पेंड़ो की डालियों पर जव तव आकर झुन्ड के झुन्ड काले कौवे वैठते थे फिर उसी क्षण उड़ कर न जाने कहॉ खो जाते थे।ऑख खोल कर चलना तक दूभर हो चला था।
अनुमानतः एलन का प्रो शौल से किसी वात पर झगड़ा हो गया था।ऐसे भी इस तरह के वेमेल सम्वन्ध के सामने अवरोधक ही अवरोधक होते हैं।
जव मै एलन का सूटकेस और हैन्डवैग लिए वापस आया.तो वो जगी वैठी थी।
ःपास वाले कमरे मे इन्हे रख देता हूॅ।वाथरूम मे एक साफ तौलिया सुवह ही लटका दिया था।नहाने धोने का मन हो तो जा कर नहा लो।फिर साथ मे कुछ खायेंगे।तुम्हे भी तो भूख लगी होगी!
ःएलन वाथरूम मे जा घुसी।ड्राईन्गरूम ठीक ठाक कर मैने उसके कमरे का विस्तर वगैरह भी वदल दिया।फिर रसोई मे जा घुसा।एक देगजी मे कुछ आलू उवालने को डाल दिया।डीप फ्रीज मे एक वना वनाया चिकनसूप था।उसे भी निकाल कर एक मद्धम ऑच पर चढा दिया।मै सलाद काट रहा था कि एलन एक जोगिन्गसूट पहने रसोई मे आई।अपने भींगे वालों को वो तौलिये मे लपेटे हुए थी।मैने उसे वापस कमरे मे भेजना चाहा.पर वो रसोई मे ही रहना चाहती थी।खिड़की वन्द करके वहीं मैने उसके लिए एक कुर्सी खींच दी।रोने से उसका चेहरा अभीं तक सूजा पड़ा था।चाय के लिए पूछा.तो इशारे से ही हॉ कही।उसे एक कप चाय देकर मै फिर अपने काम पर लग गया।
खाने की मेज पर फिर उसके ओंठ थरथराने लगे।प्लेट को परे सरका कर वो फिर से रोने लग पड़ी।अव पता नही उसे क्या याद आ गया था!मै उससे खुद कुछ नही पूछना चाहता था।अपनी प्लेट को परे सरका कर ऐसे ही एक पत्रिका खोल कर पढने वैठ गया।दोपहर का खाना हममे से किसी ने ढंग से नही खाया।एलन खाने के ही कमरे मे वैठी रही।मै उठ कर ड्राईन्गरूम मे आ गया।
स्टाईना फोन करूॅ या नहीं!पूछने दुवारा खाने वाले कमरे मे गया।टेवल पर सिर टिकाये अपने हॉथों से अपना चेहरा छुपाये अभीं भी वहॉ एलन वैठी थी।
ःतुमसे ये पूछने आया था कि स्टाईना फोन करके वता दूॅ कि तुम मेरे पास हो!वरना तुम ही फोन कर दो।वहॉ फोन वोन तो करती रही हो न!न चाहते हुए भी मेरा ये पूछना अचानक कर्कश सा हो गया था।
ःमुझसे फोन नही किया जा सकेगा।तुम्हे करना हो तो कर दो।
एक जमाना हो चला था स्टाईना फोन किये।अव तो वो शायद मुझे भूल भी गये होंगे।न जाने फोन पर वो किस तरह मिलेंगे!वड़ी विवशता मे मैने स्टाईना का नम्वर डायल किया।सोचा था कि इस वक्त फोन पर या तो एलन के पिता आयेंगे या फिर उसकी मॉ.पर ये तो उलरिके की आवाज थी।उसे सहसा विश्वास ही नही हुआ कि फोन पर मै हूॅ।वो मुझसे थोड़ी नाराज भी थी.पर उसे सहज होने मे ज्यादे समय नही लगा।एलन की दादी गुजर गई थीं.ये मेरे लिए एक दुखद समाचार था।एक सुखद समाचार ये था कि उलरिके अपनी आस के सातवें महीने मे थी।पिछले एक महीने से वो थोमास के संग स्टाल नही जाती थी।ये फ्योस्टर परिवार के लिए एक वेहद सुखद समाचार था।एलन से परिवार के सभी लोग वेहद नाराज थे।उन्हे एलन और प्रो शौल के सम्वन्ध का पता था।उनकी सारी रोकथामों के वावजूद एलन अपने रास्ते पर वढती चली गई।अव इस सम्वन्ध का क्या प्रारूप था.मुझे भी नही पता था।उसका प्रो शौल से किसी वात पर मतभेद हो गया था या वो उनसे अपने सारे सम्वन्ध तोड़ वैठी थी.ये तो वो ही जाने।उलरिके को मैने सिर्फ ये वताया कि पिछली रात से एलन मेरे पास है और जव वो सहज हो जायेगी.तो मै उसे स्टाईना भेजने की कोशिश करूॅगा।
फोन करके दुवारा ड्राईन्गरूम मे आया।एलन अभीं भी अपने हॉथों से अपना चेहरा छुपाये वैठी थी।पहली वार प्यार से मैने एलन की वॉह थामी।देखो एलन!मै तुमसे नाराज तो जरूर हूॅ.पर मै पराया नही हूॅ।फिर तुम ये भी नही समझना कि मेरा मन पत्थर जैसा कठोर है।मै तुमसे ये कभीं नही पूछूॅगा कि तुम किस वजह से रो रही हो!इसका मुझे कोई अधिकार भी नही है और न ही उन वजहों मे कोई रूचि है।अगर हो सके तो अपने को सम्हाल लो।तुम ऐसे कव तक रोती रहोगी!
वड़ा कहने सुनने पर उसने शाम का खाना खाया।थोड़ी देर के लिए हम वाहर घूमने भी गये।मौन एलन ने ही तोड़ाःस्टाईना मे सव ठीक तो हैं!
ःवहॉ तुमने पिछली वार कव फोन किया था!
ःयाद तो नही है.पर दो वर्ष तो हो ही गये होंगे।
ःतुम अपने घर वालों को न जाने किस वात की सजा देती हो!निर्दोषों को सजा देना तुम्हे अच्छा लगता है क्या!
एलन से कुछ भी कहते न वना।
मेरे और एलन के वीच की दूरी कुछ सिमटने को आई।
गई रात वो अपने तवाहियों की कहानियॉ सुनाती रही.पर एक वात जो खुल कर सामने आई.वो ये थी कि प्रो शौल ने अपना हर किया वायदा निभाया।वो वाकई एलन से प्यार करते थे।अपने इस प्यार को उन्होने अपनी पत्नी से भी नही छुपाया।जव एलन ने अपनी पढाई पूरी कर ली .तो वो उसे वर्लिन मे एक अच्छी नौकरी भी दिलवाये।हमारे हॉस्पीटल ने उनका रूफ तो वढा दिया.पर उनसे सरकारी मकान वापस ले लिया।उन्हे दूर नही जाना पड़ा।समीप ही क्रुवाईत्सरवेग पर एक मकान खाली था।उसे उन्होने एलन के नाम पर खरीद लिया और वहॉ एलन के संग रहने

लगे। उनकी पत्नी पेशे से डॉक्टर थीं और अपने दोनो बच्चो के साथ फ्रॉकफूर्ट मे रहती थीं। वहॉ भी प्रो शौल का अपना निजी मकान था। पैसों का उन्हे भी कोई अभाव नही था। एलन का उन्होने कोई प्रत्यक्ष विरोध नही किया। जब एलन गर्भवती हुई तो प्रो शौल अपनी पत्नी से तलाक की बात चलाये। इस आघात को वो न झेल पाई। एक डॉक्टर हो कर अपनी आत्महत्या का जो मार्ग उन्होने चूना, कुछ ज्यादे ही शोर मचाने वाला सावित हुआ। उन्होने अपनी रसोई मे अपने बदन पर पेट्रोल उलेड़ा और आग लगा लीं। उन्हे बचा तो लिया गया, पर ये फ्रॉकफूर्ट मे एक सनसनीखेज समाचार जा बना और चिख चिख कर सारे जनसुदाय को जगा मारा।
ये था एलन और शौल के बीच पनपे प्यार का एकमात्र प्राकृतिक अवरोधक।
जब एलन को इसका पता चला, तो वो इतना घवराई कि उसे पूर्व प्रसव शुरू हो गया। उसे दवाया नही जा सका। उसका गर्भ गिर गया।
ये एलन के ही कहे शब्द हैः दरअसल प्रमोद मुझे इस सम्बन्ध को उसी दिन खत्म कर देना था, जब उनके बच्चों का मुझे फोन आया था। उन्होने मुझसे साफ साफ कहा था कि उनकी मम्मी उनके पापा को हमेशा के लिए किसी को भी नही दे सकतीं। ये सब कुछ मेरे किये की सजा है। एक हरे भरे घर को उजाड़ने का परिणाम है। अब मै मार्टिन से कोई सम्बन्ध नही चाहती। वो मेरी तरफ से पूरी तरह आजाद है।
हम मुश्किल से कुछ ही घन्टे सोये होंगे, पर नाश्ते के बाद एलन स्टाईना सिर्फ एक शर्त्त पर जाने को तैयार हुई कि मै भी उसके साथ चलूॅ। वरना वो सीधे फ्रॉकफूर्ट जाना चाहती थी। जो एलन मेरी परछाईयों से भी दूर भागती थी, वही मेरे दोनो हॉथ थामे स्टाईना साथ चलने की जिद़ पकड़े बैठी थी। स्टाईना दुबारा न जाने की जो कसम मैने ले रखी थी, वो मुझे इस बजह से तोड़नी पड़ गई कि अगर रास्ते मे एलन के साथ कुछ घट गया, तो आजीवन एक क्लेश मेरी आत्मा से जा जूड़ेगा।
ग्यारह बजे एलन की किया हाईवे पर थी और एक सौ चालीस की रफ्तार मे फॉकफूर्ट की दिशा मे दौड़े जा रही थी। मै उसके बगल वाली सीट पर बैठा बस यही सोचे जा रहा था कि जिस गॉव मे मै जा रहा हूॅ, वो मेरे लिए इतना निर्मम क्यों निकला। उलरिके विवाहिता थी, पर एलन और मागेट को मुझ पर कोई रहम नही आया। इन्होने अपने मन से अपना रास्ता चूना, जिस पर कदम कदम पर सिर्फ तवाहियॉ थी।
रह रह कर एलन मुझे कनखियों से देख लिया करती थी। वो शायद मुझसे कुछ पूछना चाहती थी। वार्निक मे हमारा पहला ब्रेक था। एलन ने मुझसे भी कॉफी के लिए पूछा, पर मैने मना कर दिया। सिर्फ पैर सीधा करने थोड़ी देर के लिए गाड़ी से बाहर निकला, पर ठंढ की वजह से दुबारा गाड़ी मे आ गया। एलन सहज तो हो चली थी, पर उसकी सारी चंचलता, उसका सारा उद्वेग अब उसके पास नही था। रास्टस्टेटे से वो बाहर आती दिखी। नीले जीन्स, सफेद ब्लाऊज और गोगल्स मे एक सॉप की तरह बलखाती वो समीप आ रही थी। कौन कह सकता था कि वो अपने इकतीसवें वर्ष मे क्या कुछ एक भयंकर झंझावात की शक्ल मे झेल चुकी है।
जैसे एक अन्धेरा उजाले से विदा लेते वक्त एक अतिशय मधुरिम क्षण को जन्म देता है, ठीक वैसे ही मेरे जीवन मे इस क्षण को एक परिचय अपरिचय से विदा लेते वक्त पैदा करता है। इसके बाद मेरे लिए कोई अपरिचित नही रह जाता है। मै अपनी इस ख़ुशी का व्यतिकरण नही करता , पर ये मेरे लिए कुछ स्वर्गिक ही है। स्टाईना अब मेरे लिए अपरिचित नही था। मेरे लिए वहॉ का कुछ भी अपरिचित नही था।
अब फ्रॉकफूर्ट शहर हमसे ज्यादे दूर न था। वहॉ की ऊॅची उॅची अट्टालिकायें नजर आने लगी थी। शहर से पहले एलन ने अपनी गाड़ी मोड़ कर एक लान्डस्ट्रासे पर डाल दी। रास्ते मे कई गॉव आये। वेल्पे सेनाऊ वार्मिक होते हुए हम ओस्टहागन आये, जहॉ से स्टाईना बस बीस किलोमीटर की दूरी पर था।
शाम के सात वजने को आये थे। हल्का धूॅधलका चारो तरफ छा जाने की तैयारी कर रहा था, फिर भी हर तरफ पर्याप्त उजाला था। घर के फाटक पर पूरा परिवार आ जूटा था। न जाने किसने मागेट के परिवार को भी हमारे आने की खबर दे दी थी। उसके माता पिता, खुद वो और उसके सारे बच्चे भी वाड़े पर खड़े हमारे आने का इन्तजार कर रहे थे। दूर से इन सभी को देखते ही एलन ने गाड़ी रोक दी और मेरे कन्धे पर अपना सर रख कर रोने लग पड़ी। सभी घवरा कर हमारी तरफ भागे। चाहे वो दुनिया का कोई भी देश क्यो न हो, निराशा और ऑसू कहॉ नही है! हर ऑख हर देश मे डबडवाती हैं, रोती हैं।
स्टाईना मे मै सिर्फ एक रात रहा। मागेट भी सपरिवार मुझसे मिलने आई थी। इस शाम का एक एक क्षण आज भी मेरे मन मे जीवित है। मुझे स्टेशन छोड़ने एलन अकेले आई थी, ठीक वैसे ही जैसे उलरिके। जब ट्रेन चल पड़ी, तो वो भी उलरिके की तरह खिड़की का एक कोना पकड़े दौड़ने लग पड़ी। जब ट्रेन की रफ्तार तेज होने को आई, तो वो प्लेटफार्म पर बेतहाशा दौड़ने लग पड़ी।
सन सन्तानवे के बाद मै फिर स्टाईना नही गया।
जब मै अपनी डायरी के इन पन्नों को पढता हूॅ, तो स्टाईना की कई बातें यकायक सजीव होने लगती हैं। उलरिके के परिप्रेक्ष्य मे मेरा लिया फैसला गलत नही था। एक बसे बसाये घर को उजाड़ने का पाप मैने अपने सर पर नही लिया। इस बात के लिए मै अपने संस्कार का आज तक ऋणी हूॅ , पर न जाने क्यों मुझे ऐसा लगता है कि मेरे संस्कार मे विभाजित तनो के लिए क्षमा शब्द वहुत ही छोटे अक्षरों मे लिखा गया है।
अन्यथा आज एलन या मागेट मे से कोई मेरी पत्नी होती।
एक सम्बन्ध हमसे आजीवन एक नाम की ही तो मांग करता है। जब उसे एक नाम मिल जाता है, तब वो हमे उकसाना बन्द कर देता है।
इसे मैने इस तरह समझने का प्रयास कियाः मेरे पास तन और मन नामकी दो जुड़ॅवा वेटियॉ हैं। इन दोनो मे मेरे प्राण वसते हैं। एक बार इन्हे न जाने कहॉ से एक प्रेम नामकी गुड़िया मिल जाती है। ये दोनो एक दूसरे से लड़ने झगड़ने लग पड़ती हैं। लड़ते झगड़ते ये दोनो मेरे पास आती हैं। जब मै इनसे ये कहता हूॅ कि तुम दोनो इसके साथ खेलो। इसमे झगड़ने की कौन सी बात है! पर इस गुड़िया को ये दोनो एक दूसरे के संग वॉटना ही नही चाहती हैं। अब मुझे उठना पड़ा। इनकी हॉथों से मैने ये गुड़िया छीन ली और मन के हॉथों मे पकड़ा दिया। तन के ताने मुझे आज तक सुनने को मिलते हैं। अक्सर वो अपना मुॅह फूलाये मेरी गोद मे आ चढती है और मुझसे ये कहने लगती है कि मै उसकी वहन को उससे ज्यादे प्यार करता हूॅ।

प्रमोद कुमार सिंह